

डॉ. जेफ़री नीहौस, बाइबिल धर्मशास्त्र, सत्र 8, दाऊदी वाचा

© 2024 जेफ़री नीहौस और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जेफ़री नीहौस बाइबिल धर्मशास्त्र पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 8 है, डेविडिक वाचा।

अब, जैसा कि हमें याद है, जब हमने अब्राहमिक वाचा के बारे में बात की थी, तो उस वाचा में अपने आप में तीन अलग-अलग वाचाओं का पूर्वाभास था।

कहने का तात्पर्य है, संपूर्ण विशेष अनुग्रह कार्यक्रम। मूसा की वाचा और दाऊद की वाचा ने उत्पत्ति 17 में राजत्व का संकेत दिया जब प्रभु ने कहा कि अब्राम और सारा से राजा निकलेंगे। नई वाचा ने उत्पत्ति 12 के वादे के मूर्त रूप या समावेशन दोनों से संकेत दिया कि अब्राम के वंश में, पृथ्वी के सभी परिवार धन्य होंगे, जिसे उत्पत्ति 22 में दोहराया गया, और उत्पत्ति 15 में टुकड़ों के बीच प्रभु के मार्ग से, प्रतीकात्मक रूप से उस क्रूस का पूर्वाभास होता है जहाँ प्रभु अब्राहम के वंश के लिए दंड को अपने ऊपर ले लेंगे।

और इसलिए विशेष रूप से, अब्राहमिक में प्रत्याशित दाऊदी वाचा। यह समझना महत्वपूर्ण है कि दाऊदी वाचा, जैसा कि हमने कहा, दाऊद भी एक वाचा मध्यस्थ भविष्यद्वक्ता है, लेकिन एक बहुत ही असामान्य वाचा का मध्यस्थ है जो शाही वंश पर केंद्रित है। इसका बस इतना ही संबंध है।

दाऊद स्वयं अभी भी मूसा की वाचा के अधीन था। वास्तव में, यह बाद में इस्राएल के लिए एक समस्या बन गया। उदाहरण के लिए, यिर्मयाह में, यिर्मयाह 17 में, जिसे कभी-कभी मंदिर उपदेश के रूप में संदर्भित किया जाता है, यिर्मयाह को कहना है, या प्रभु उसके माध्यम से कहते हैं, भ्रामक शब्दों से गुमराह न हों, अर्थात् प्रभु का मंदिर, प्रभु का मंदिर, प्रभु का मंदिर।

जब प्रभु ने दाऊद के साथ वाचा बाँधी, तो उसने वादा किया कि दाऊद की संतान एक मंदिर बनाएगी, जिसे सुलैमान ने बनाया। लेकिन लोगों ने इसे गलत समझा और सोचा कि, अब हमें मंदिर मिल गया है, हम सब तैयार हैं। प्रभु कभी भी अपना घर नहीं छोड़ेंगे, और इसलिए यरूशलेम पर कभी भी कब्ज़ा नहीं किया जा सकता।

और वास्तव में, जब सन्हेरीब ने यहूदा पर आक्रमण किया और यरूशलेम को छोड़कर बाकी सब पर विजय प्राप्त की, तो ऐसा लग रहा था कि यही उसका तरीका होगा। इसलिए, यिर्मयाह को उस अध्याय में उन्हें बताना पड़ा कि आप ये सारे पाप करते हुए नहीं रह सकते और फिर आकर सोच सकते हैं कि आपको माफ़ कर दिया गया है और फिर बाहर जाकर उन्हें फिर से करना चाहिए, सिर्फ़ इसलिए कि आपको मंदिर मिल गया है। वे यह नहीं समझ पाए कि मूसा की वाचा दाऊद की वाचा से बेहतर थी, क्या हम ऐसा कह सकते हैं।

यह शासकीय वाचा थी, और राजाओं को स्वयं इसका पालन करना था। तो, लेकिन फिर भी, दाऊद ने एक वाचा की मध्यस्थता की, लेकिन यह शाही वंश पर केंद्रित एक संकीर्ण वाचा थी। खैर, जैसा कि हमने कहा, उत्पत्ति 17 में राजाओं के वादे से इसका अनुमान लगाया गया है।

हम जानते हैं कि दाऊद एक भविष्यवक्ता था, लेकिन अभी तक हम उसे वाचा मध्यस्थ भविष्यवक्ता नहीं मानते, लेकिन हम जानते हैं कि वह एक वाचा भविष्यवक्ता था क्योंकि यहाँ हम देखते हैं कि शमूएल ने उसका अभिषेक किया, उसने तेल का सींग लिया और अपने भाइयों की उपस्थिति में उसका अभिषेक किया। और उस दिन से, प्रभु की आत्मा सामर्थ्य के साथ दाऊद पर उतरी, और प्रभु ने दाऊद के माध्यम से बात की। संयोग से, यहाँ एक दिलचस्प कथन है: उस दिन से, प्रभु की आत्मा दाऊद पर उतरी, दाऊद के पास आई, वास्तव में वह एक हिब्रू है।

लेकिन मुद्दा यह है: कभी-कभी लोग सोचते हैं, ठीक है, पिन्तेकुस्त से पहले, शायद पुराने नियम के तहत कुछ लोग थे जिनके पास वास्तव में हमारे जैसे पवित्र आत्मा था। और मुझे लगता है कि अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति की ओर इशारा करना चाहते हैं जिसके बारे में आपको लगता है कि वह इसके लिए एक अच्छा उम्मीदवार हो सकता है, तो निश्चित रूप से दाऊद ही होगा। लेकिन हमें यहाँ बताया गया है कि आत्मा उसके पास आएगी।

और इसलिए, आपको कभी नहीं बताया गया कि आत्मा उसमें वास करती थी। और आपको कभी नहीं बताया गया कि आत्मा पुराने नियम के तहत किसी में वास करती थी। इसी कारण से पुराने नियम के तहत किसी को मंदिर नहीं कहा जाता।

और हाँ, लेकिन यह बहुत अच्छी बात है कि पवित्र आत्मा हर दिन आपके पास आता है। यह बिल्कुल भी बुरी बात नहीं है। वह आपके साथ है।

वह आपको मार्गदर्शन देता है। वह आपको बुद्धि देता है, इत्यादि। आत्मा ने दाऊद के माध्यम से बात की।

इसका एक बेहतरीन उदाहरण वह है जिसे कभी-कभी दाऊद के अंतिम शब्द कहा जाता है, आखिरकार, जो हम यहाँ शास्त्र में पढ़ते हैं। ये दाऊद के अंतिम शब्द हैं। यिश्ई के पुत्र दाऊद की भविष्यवाणी, सर्वोच्च द्वारा सम्मानित व्यक्ति की भविष्यवाणी, याकूब के परमेश्वर द्वारा अभिषिक्त व्यक्ति, इस्राएल के गीतों का गायक।

वह कहता है कि प्रभु की आत्मा ने मेरे माध्यम से बात की। उसका वचन मेरी जीभ पर था। इसलिए दाऊद निश्चित रूप से एक भविष्यवक्ता था।

वास्तव में, उसके माध्यम से बोलने वाली आत्मा वही है जो उसकी है, प्रभु का वचन दाऊद की जुबान पर है, जो नए नियम की वास्तविकता की ओर इशारा करता है जिसे यीशु बहुत स्पष्ट रूप से बताते हैं। यीशु कहते हैं कि जो शब्द मैं तुमसे कहता हूँ वे आत्मा हैं। इसलिए, जो शब्द एक भविष्यवक्ता बोलता या लिखता है वे वास्तव में पवित्र आत्मा हैं जो शब्दों का रूप लेते हैं, हमें शब्द देते हैं।

जबकि नया नियम दाऊद को भविष्यवक्ता कहता है, यहाँ पित्तेकुस्त के दिन पतरस समझाता है कि क्या हो रहा है। वह कहता है, मैं तुम्हें विश्वास के साथ बता सकता हूँ कि कुलपिता दाऊद मर गया और उसे दफनाया गया, और उसकी कब्र आज भी यहाँ है, लेकिन वह एक भविष्यवक्ता था, और वह जानता था कि परमेश्वर ने उससे शपथ पर वादा किया था कि वह उसके वंशजों में से एक को सिंहासन पर बिठाएगा। आगे क्या होने वाला था, यह देखते हुए उसने मसीह के पुनरुत्थान के बारे में बात की, कि उसे कब्र में नहीं छोड़ा गया था, न ही उसके शरीर को सड़ते देखा गया था, भजन 16 का हवाला देते हुए।

पतरस ने समझाया कि पित्तेकुस्त पर जो कुछ भी वे देखते हैं, वह मसीह के किए गए कार्यों के कारण है। खैर, एक भविष्यवक्ता के रूप में, हमने इस बारे में बात की कि युद्ध कैसे लड़ा जाता है, और फिर एक वाचा बनाई जाती है, और हम उस पैटर्न को दाऊद की वाचा के साथ भी देखते हैं। दाऊद के पास ये विभिन्न अभियान हैं, और फिर 2 शमूएल 7 में, उनके बाद, हम पढ़ते हैं, ठीक है, प्रभु अपने महल में बस गए हैं, और प्रभु ने उन्हें उनके चारों ओर के शत्रुओं से विश्राम दिया था।

इससे आगे की कहानी के लिए मंच तैयार होता है। और यह इस संदर्भ में एक दिलचस्प अंश है कि एक भविष्यवक्ता क्या सुन सकता है या क्या नहीं सुन सकता है। हम समझते हैं कि दाऊद एक भविष्यवक्ता है।

नातान भी एक भविष्यवक्ता है। और इसलिए, दाऊद नातान से कह रहा है, इस सैन्य, सैन्य सफलताओं की इस श्रृंखला के बाद, वह कहता है, यहाँ मैं देवदार के महल में रह रहा हूँ जबकि परमेश्वर का सन्दूक एक तम्बू में रहता है। नातान ने राजा को उत्तर दिया, जो कुछ भी तुम्हारे मन में है, आगे बढ़ो और करो, क्योंकि प्रभु तुम्हारे साथ है।

अब, यह आधुनिक पाठक को थोड़ा अस्पष्ट लग सकता है, लेकिन मुझे लगता है कि यह आधुनिक पाठक के लिए भी काफी स्पष्ट है। लेकिन प्राचीन निकट पूर्वी संदर्भ में, यह बहुत स्पष्ट है। प्राचीन दुनिया में, अगर कोई राजा और बुतपरस्त जानवर इस तरह की चीज़ों से भरे होते, तो वे बाहर जाते, युद्ध करते, जीत हासिल करते और घर वापस आ जाते।

वे एक काम करने जा रहे हैं, इनमें से एक काम। वे कम से कम युद्ध की लूट का कुछ हिस्सा उस भगवान को समर्पित करेंगे, जिसके बारे में उन्हें लगता है कि उसने उन्हें जीत दिलाई। या अगर भगवान के मंदिर का जीर्णोद्धार करने की ज़रूरत है, तो वे ऐसा करेंगे।

या अगर ऐसा लगता है कि भगवान के लिए एक नया मंदिर बनाना उचित है, तो वे एक नया मंदिर बनाएँगे। इसलिए, जब डेविड यह कहता है, तो वह यह अप्रत्यक्ष कथन कर रहा है, लेकिन वास्तव में यह कह रहा है, देखो, मैं यहाँ देवदार के महल में हूँ - भगवान एक तम्बू में हैं।

चलो उसके लिए देवदार की लकड़ी का महल बनाते हैं। दरअसल, हिब्रू में महल के लिए शब्द और मंदिर और मंदिर एक ही हैं। हाइकल शब्द है।

यह वास्तव में एक उधार लिया गया शब्द है। यह सुमेरियन भाषा से लिया गया एक लिप्यंतरण है। इसका मतलब है एक बड़ा घर।

इसलिए यह महल या मंदिर हो सकता है: क्योंकि राजा के पास एक बड़ा घर और महल है। भगवान के पास एक बड़ा है और वह भगवान है; उसके पास एक बड़ा घर, एक मंदिर है। एक और शब्द जो दोनों के लिए इस्तेमाल किया जाता है वह बस घर के लिए शब्द है।

और यही शब्द इस अंश में आता है। तो, डेविड एक घर कह रहा है। और इसलिए, नाथन, यह वही है जो मुझे इसके बारे में पसंद है, क्योंकि नाथन एक भविष्यवक्ता है।

और इसलिए, दाऊद को उसका क्या जवाब है? नातान, इस बिंदु पर, उस दुनिया से जो वह रहता है, उससे जो वह समझता है, उसका उत्तर देता है। परमेश्वर ने हमारे राजा को विजय दिलाई है। बेशक, हम परमेश्वर के लिए एक मंदिर बनाते हैं।

तो, वह अपनी सांस्कृतिक अपेक्षाओं के अनुसार बोल रहा है। तो, वह कहता है, ज़रूर, आगे बढ़ो और जो भी तुम्हारे मन में है, करो। लेकिन फिर क्या? खैर, प्रभु उस रात नाथन से बात करते हैं और कहते हैं, नहीं, नहीं, ऐसा नहीं होने वाला है।

मेरे मन में ऐसा कुछ नहीं है। जाकर मेरे सेवक दाऊद से कहो, यहोवा यह कहता है। क्या तुम ही मेरे रहने के लिए घर बनाने वाले हो? जिस दिन से मैं इस्राएलियों को मिस्र से निकाल लाया हूँ, उस दिन से लेकर आज तक मैं किसी घर में नहीं रहा हूँ।

मैं एक तम्बू के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाता रहा हूँ। जहाँ भी मैं इस्राएलियों के साथ गया, क्या मैंने कभी उनके शासकों में से किसी से, जिन्हें मैंने अपने लोगों इस्राएल की देखभाल करने का आदेश दिया था, पूछा, तुमने मेरे लिए देवदार का घर क्यों नहीं बनाया? अब मेरे सेवक दाऊद से कहो, सेनाओं का यहोवा यह कहता है। मैंने तुम्हें चरागाह से और भेड़-बकरियों के पीछे-पीछे चलने से इसलिए बुलाया है कि तुम मेरे लोगों इस्राएल पर शासक बनो।

दिलचस्प बात यह है कि यही बात आमोस ने उत्तरी राज्य में बाद में कही। वह कहता है, प्रभु ने मुझे झुंड के पीछे चलने से हटाकर यहाँ भविष्यवाणी करने के लिए लाया। यह स्पष्ट रूप से प्रभु द्वारा किसी व्यक्ति को किसी पद पर चुने जाने का कथन है।

इसलिए यहोवा कहता है, मैंने तुझे चरागाह से और भेड़-बकरियों के पीछे-पीछे चलने से अपने लोगों का शासक होने के लिए बुलाया है। तू जहाँ भी गया, मैं तेरे साथ रहा हूँ। मैंने तेरे सामने से तेरे सभी शत्रुओं को मिटा दिया है।

अब, मैं तुम्हारा नाम पृथ्वी के महानतम लोगों के नामों की तरह महान बनाऊँगा, और मैं अपने लोगों, इस्राएल के लिए एक स्थान प्रदान करूँगा, और मैं उन्हें इस तरह से स्थापित करूँगा कि वे अपना घर बना सकें और फिर कभी परेशान न हों। दुष्ट लोग अब उन पर अत्याचार नहीं करेंगे जैसा उन्होंने शुरू में किया था और तब से करते आ रहे हैं जब से मैंने अपने लोगों, इस्राएल पर

नेताओं को नियुक्त किया है। मैं तुम्हें तुम्हारे सभी शत्रुओं से भी आराम दूँगा, और फिर यहोवा तुमसे घोषणा करता है कि यहोवा स्वयं तुम्हारे लिए एक घर स्थापित करेगा।

जब तेरे दिन पूरे हो जाएँ और तू अपने पुरखाओं के संग सो जाए, तब मैं तेरे वंश को जो तेरे वंश से उत्पन्न होगा, तेरे स्थान पर खड़ा करके उसके राज्य को स्थिर करूँगा। वही मेरे नाम का भवन बनाएगा, और मैं उसकी राजगद्दी को सदा स्थिर रखूँगा। मैं उसका पिता ठहरूँगा, और वह मेरा पुत्र ठहरेगा।

जब वह गलत काम करेगा, तो मैं उसे मनुष्यों की छड़ी से दण्डित करूँगा, और मनुष्यों के कोड़ों से दण्डित करूँगा, परन्तु मेरा प्रेम उससे कभी नहीं हटेगा, जैसा कि मैंने शाऊल से हटाया था, जिसे मैंने तुम्हारे सामने से हटा दिया था। तुम्हारा घराना और तुम्हारा राज्य मेरे सामने सदा बना रहेगा। तुम्हारा सिंहासन सदा स्थिर रहेगा।

नातान ने दाऊद को इस पूरे रहस्योद्घाटन के सभी शब्द बताए। ठीक है, यहाँ कुछ बातें हैं। सबसे पहले, फिर से, इस बारे में दिलचस्प बात यह है कि नातान एक भविष्यवक्ता है, और इसलिए एक भविष्यवक्ता के रूप में, एक व्यक्ति के रूप में दाऊद के लिए नातान की पहली प्रतिक्रिया यह है कि, जाओ और जो कुछ भी तुम्हारे मन में है, वह करो, प्रभु तुम्हारे साथ है।

लेकिन उस समय, वह सिर्फ अपनी सांस्कृतिक अपेक्षाओं के कारण एक इंसान के रूप में बोल रहा था। बाद में, प्रभु प्रकट होते हैं और उससे कहते हैं, नहीं, मेरे मन में कुछ और है। इसलिए, इस तथ्य का मतलब यह नहीं है कि वह एक भविष्यवक्ता है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह जो भी कहता है, वह प्रभु की ओर से है।

उन्होंने सिर्फ एक इंसान के तौर पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रभु के मन में कुछ अलग था, और अलग बात यह है कि प्रभु दाऊद का घर बनाने जा रहे हैं, और इसलिए यहाँ घर शब्द पर एक नाटक है क्योंकि दाऊद प्रभु का घर बनाना चाहता है, जिसका अर्थ है मंदिर। प्रभु कहते हैं कि मैं तुम्हारा घर, तुम्हारा घराना, तुम्हारा वंश स्थापित करने जा रहा हूँ, और तुम्हारी संतानों मेरे नाम के लिए एक घर बनाएँगी, नाम का अर्थ है आवश्यक प्रकृति, आवश्यक चरित्र, परमेश्वर का अस्तित्व, इस मामले में प्रभु का होना।

और यही समझ थी। तो संयोग से, जब आप यूहन्ना 14:24 में पढ़ते हैं, तो अब तक, आपने मेरे नाम से कुछ भी नहीं माँगा है। माँगो, और तुम्हें मिलेगा, और तुम्हारा आनंद पूरा हो जाएगा।

खैर, इसका क्या मतलब है? मुझे लगता है कि हम समझ गए हैं कि यह नहीं है; ठीक है, कल सुबह यीशु के नाम पर मेरे ड्राइववे में एक मासेराटी कार और चाबियाँ दिखाई देंगी। यह किसी तरह का जादुई फार्मूला नहीं है। यह है कि अगर हम उसकी प्रकृति के अनुसार माँग रहे हैं, तो वह ऐसा करने जा रहा है, और हमारा आनंद पूरा हो जाएगा क्योंकि हम उसके साथ एक ही पृष्ठ पर हैं।

हमें यह पूछने में खुशी मिलती है कि वह क्या करना चाहता है। हम उसका हिस्सा बन जाते हैं। लेकिन वैसे भी, प्रभु इस घर का निर्माण करवाने जा रहे हैं, लेकिन यह दाऊद की संतान होगी, जिसे हम सुलैमान के नाम से जानते हैं, जो इसे करने जा रहा है।

मैं उसका पिता बनूंगा। वह मेरा बेटा होगा। हम समझते हैं कि यह दत्तक पुत्रत्व है।

प्रभु यह नहीं कह रहे हैं कि आपका बेटा दाऊद और आपकी संतान ऊपर से जन्म लेंगे, एक अलौकिक जन्म। लेकिन वह वादा करता है कि भले ही वह पाप करे, मेरा प्यार और हिब्रू शब्द हेसेड है, जिसका मैं अनुग्रह के रूप में अनुवाद करना चाहूँगा, लेकिन उससे कभी नहीं छीना जाएगा जैसा कि मैंने शाऊल से छीना था। यह एक बहुत ही भारी कथन है क्योंकि वह शब्द जिसका अनुवाद प्रेम के रूप में किया गया है, वास्तव में हिब्रू में वाचा शब्द युग्म का हिस्सा है, प्रेम और सत्य या अनुग्रह और सत्य, जैसा कि मैं इसका अनुवाद करूँगा।

यह बात यूहन्ना 1 में भी दिखाई देती है। व्यवस्था मूसा के द्वारा आई। यीशु में, हमारे पास अनुग्रह और सच्चाई है।

मैं कहूँगा कि यीशु में, हमारे पास वाचा की हिम्मत है, यह वास्तव में वाचा संबंध के बारे में है। और इसलिए यह शाऊल के बारे में एक बहुत ही भारी बयान है। लेकिन प्रभु कह रहे हैं कि वह पाप कर सकता है, लेकिन मैं उससे यह नहीं छीनने जा रहा हूँ।

और फिर यह वादा है: तुम्हारा घर और राज्य हमेशा कायम रहेगा, और तुम्हारा सिंहासन हमेशा के लिए स्थापित रहेगा। यहीं पर इस्राएल गलत हो गया क्योंकि उन्होंने सोचा, ठीक है, बस इतना ही। हमें गारंटी है।

प्रभु ने यहाँ खुद को एक कोने में चित्रित किया है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कितना बुरा पाप करते हैं। यरूशलेम कभी नहीं गिरेगा। सिय्योन कभी नहीं गिरेगा।

और बेशक, बात यह है कि इसमें एक अलौकिक, एक अलौकिक वास्तविकता है क्योंकि दाऊद का पुत्र, अर्थात् यीशु, हमेशा से ही इस्राएल का राजा था और हमेशा रहेगा। वह सिंहासन हमेशा के लिए बना रहता है, और उसका राज्य हमेशा के लिए बना रहता है, लेकिन यह सांसारिक सिंहासन या राज्य नहीं है जो लोगों के मन में स्वाभाविक रूप से तब आया होगा जब उन्होंने यह सुना होगा। वैसे, हालाँकि यहाँ वाचा शब्द नहीं आता है, लेकिन इसे दाऊद की वाचा का निर्माण समझा जाता है।

भजन 2 बाद में इसे दर्शाता है, और मैंने यहाँ संगत भागों को रेखांकित करने का प्रयास किया है। तो ये दोनों, आप जानते हैं, 2 शमूएल 7 में, आपके पास उन शत्रुओं से सुरक्षा है जिनके बारे में बात की गई है, और प्रभु अपना सिंहासन स्थापित करता है। प्रभु पिता की तरह होने जा रहा है।

राजा अपने बेटे जैसा बनने जा रहा है। यह दत्तक पुत्रत्व है। और इसमें दंड भी शामिल है।

आप जानते हैं, मैं उसे मनुष्यों की छड़ी से दण्डित करूंगा, लेकिन मैं उससे अपना अनुग्रह नहीं छीनूंगा। भजन 2 कुछ लोग सोचते हैं, और मुझे लगता है कि यह एक संभावित बात है, कि भजन 2 का संबंध सुलैमान के सिंहासन पर बैठने के अवसर से था। और इसलिए, ये चीजें खेल में आती हैं।

और इसलिए, जब हम श्लोक 7 में सुनते हैं, या पढ़ते हैं, तू आज मेरा पुत्र है, मैंने तुझे जन्म दिया है, तो समझ में आता है, ठीक है, यह एक दत्तक पुत्रत्व है, और यह ठीक है। लेकिन बाद में, इसे नए नियम में इब्रानियों 1 में इस चर्चा के भाग के रूप में उठाया गया है कि पुत्र स्वर्गदूतों से श्रेष्ठ है। उसने स्वर्गदूतों में से किससे कभी कहा, तू आज मेरा पुत्र है, मैंने तुझे जन्म दिया है।

और, बेशक, यीशु के मामले में, यह कुंवारी जन्म की एक वास्तविक, वास्तविक शुरुआत है, जैसा कि हम जानते हैं। यहाँ ताड़ना का उल्लेख किया गया है। भजन 2 में इसका उल्लेख नहीं है, मुझे लगता है कि शायद इसका कारण यह है कि अगर हम इसे सुलैमान के सिंहासन पर आने के बारे में एक कविता के रूप में समझते हैं, तो सुलैमान का सिंहासन पर बैठना एक उत्सव का अवसर होगा।

और आप शायद यह नहीं कहेंगे कि, ओह, और वैसे, अगर आप गलती करते हैं, तो यह होने वाला है। इसलिए शायद यही कारण है कि उस तरह का नोट वहाँ नहीं सुनाई देता। लेकिन वैसे भी, यह आपके पास है।

बेशक, गुंकेल ने इसे शाही भजन कहा है, जिसका संबंध इज़राइल के समकालीन राजा से था। और यह ठीक है, जहाँ तक यह जाता है। वह यह स्वीकार नहीं करेंगे कि बाद में नए नियम में इसका उपयोग वास्तव में इसलिए किया गया था क्योंकि यह मसीह का पूर्वाभास कराता था, जो कि हम समझते हैं कि मामला था।

खैर, यहाँ वाचा और वाचा मुहावरे, वाचा काटने वाले मुहावरे के बारे में थोड़ा सोचना कोई नुकसान नहीं पहुँचाएगा, क्योंकि, जैसा कि हमने कहा, वाचा शब्द इस अंश में दिखाई भी नहीं देता है, हालाँकि इसे सार्वभौमिक रूप से दाऊद की वाचा को स्थापित करने के रूप में मान्यता प्राप्त है। और संयोग से, 2 शमूएल 7 के बारे में एक बात सच है, जैसा कि पुराने नियम में ईश्वरीय-मानव वाचा-निर्माण की अन्य सभी रिपोर्टों के बारे में सच है, कि वे ऐसी कहानियाँ हैं जिनमें वाचा या संधि के घटक शामिल हैं, जिससे हम समझते हैं कि वाचा बनाई जा रही है। उत्पत्ति 1 की तरह, आपके पास 2 शमूएल 7 में एक वाचा बनाई जा रही है, और वाचा शब्द दिखाई नहीं देता है।

उत्पत्ति 1 के विपरीत, आपके पास बाद में दाऊद के संबंध में वाचा-निर्माण का संदर्भ है। और इसलिए, यहाँ कुछ उदाहरण दिए गए हैं: 2 इतिहास 7, मैं तुम्हारा राजसिंहासन स्थापित करूंगा जैसा कि मैंने सचमुच तुम्हारे पिता दाऊद के साथ या उसके लिए किया था, जब मैंने कहा था, इस्राएल पर शासन करने वाला एक आदमी तुम्हारे साथ हमेशा रहेगा। और आइए यहाँ कुछ अन्य लोगों पर आते हैं।

दाऊद, क्योंकि मुहावरे का उपयोग करते हुए, 2 इतिहास 21 के लिए काटा गया; फिर भी, वाचा के कारण, प्रभु ने दाऊद के साथ या उसके लिए काटा था। इसलिए यहाँ आपके पास वाचा और काटना शब्द है। प्रभु दाऊद के घराने को नष्ट करने के लिए तैयार नहीं था।

उसने अपने और अपने वंशजों के लिए हमेशा एक दीपक बनाए रखने का वादा किया था। और मैं उस नोट के बारे में बात करूँगा, दीपक के बारे में नहीं, बल्कि जूए के बारे में, बस थोड़ी देर में। लेकिन यहाँ यह ध्यान देने योग्य है कि वाचा का शब्द, जिसे हम उत्पत्ति 15 से जानते हैं, जानवरों को शाब्दिक रूप से काटने और उनके बीच से गुजरने से संबंधित है।

इस शब्द का इस्तेमाल डेविडिक वाचा के लिए किया जाता है, लेकिन इतिहास में ऐसा कुछ भी नहीं है जो हमें बताता हो कि डेविडिक वाचा के मामले में कभी भी ऐसा कोई अनुष्ठान हुआ था। इसलिए, ऐसा लगता है कि बाद में, डेविडिक वाचा के संबंध में, आप इस शब्द का इस्तेमाल जानवरों को काटे बिना वाचा काटने के लिए कर सकते थे। लेकिन फिर भी, आप जानते हैं, यह एक दिव्य वाचा है।

प्रभु वाचा दे रहे हैं। वह इसे पूरा कर रहे हैं। दीपक और जूए के बारे में क्या? खैर, हिब्रू में दीपक के लिए शब्द नीर है, और n-i-r, आप इसे लिख सकते हैं।

और ऐसा लगता है कि यह दीपक के लिए शब्द है। और इसलिए, इसका अनुवाद आमतौर पर दीपक के रूप में किया गया है। कुछ साल पहले, एक विद्वान ने एक लेख लिखा था जिसमें बताया गया था कि एक असीरियन शब्द है, नीरू, जिसका अर्थ है जुआ, और तर्क दिया कि यहाँ जो चल रहा है वह दीपक नहीं बल्कि जुआ है।

वास्तव में, यह बहुत अच्छा अर्थ रखता है क्योंकि शब्द नीरू या योक का इस्तेमाल हमेशा आधिपत्य के जुए, राजत्व के जुए के लिए किया जाता था। अशूरियों ने दावा किया, मैं अपने आधिपत्य का भारी जूआ किसी जागीरदार पर थोपता हूँ। और इसलिए शायद यहाँ नीर का मतलब यह नहीं है कि उसने उसके लिए एक दीपक बनाए रखने का वादा किया था, बल्कि उसके लिए एक जूआ था।

दूसरे शब्दों में, उसने अपने और अपने वंशजों के लिए राजत्व बनाए रखने का वादा किया। संयोग से, यह विचार और जूए की अवधारणा का इस्तेमाल यीशु के दिनों में भी किया गया था। रोमियों ने अपने शब्द युगम का इस्तेमाल किया, जिसका अर्थ है जूआ, इसी तरह की चीज़ के लिए।

और इसलिए, यह काफी दिलचस्प है जब यीशु कहते हैं, मेरा जूआ अपने ऊपर ले लो और मुझसे सीखो, क्योंकि मैं दिल से नम्र और विनम्र हूँ, और तुम अपनी आत्माओं के लिए आराम पाओगे, क्योंकि मेरा बोझ आसान है, मेरा जूआ आसान है, और मेरा बोझ हल्का है। मेरा जूआ आसान है, और मेरा बोझ हल्का है। अगर हम असीरियन पृष्ठभूमि के खिलाफ इसके बारे में सोचते हैं, तो मैं अपने आधिपत्य का भारी जूआ जागीरदार पर थोपता हूँ।

मुझे लगता है कि शायद वहाँ एक संबंध हो सकता है, और सिर्फ परंपरा में। जैसा कि यीशु कहते हैं, आप जानते हैं, बुतपरस्त, वे लोगों पर हावी होते थे। इसलिए, यीशु कह रहे हैं, आप जानते हैं, मेरा जूआ अपने ऊपर ले लो। यह आपके लिए एक अच्छी बात है।

मैं तुम्हारा अधिपति हूँ, लेकिन मेरा जूआ हल्का है। यह कोई भारी बोझ नहीं है। और यीशु के बारे में यह सब बातें हैं कि वह हमारा जूआ उठाएगा, आप जानते हैं, दो बैलों के साथ।

इसमें कुछ तो बात हो सकती है। इस शब्द का इस्तेमाल एक ही समय में एक से ज़्यादा तरीकों से किया जा सकता है। लेकिन मुझे लगता है कि यहाँ आपको जुए के संबंध में आधिपत्य को समझने में मदद करने के लिए काफ़ी पृष्ठभूमि है।

यहाँ अन्य उदाहरण भी हैं, इसलिए मुझे उन सभी को पढ़ने की आवश्यकता नहीं है। वे आपके पास यहाँ हैं। लेकिन मुद्दा यह है कि इसे संक्षेप में प्रस्तुत किया जाए: बिना किसी वास्तविक कटौती के वाचा।

तो स्पष्ट रूप से, यहाँ बाद के उपयोग में, वाचा काटने का मतलब जरूरी नहीं कि शपथ लेना या बलिदान देना हो, बल्कि इसका हमेशा अर्थ होता था किसी चीज़ को कानूनी व्यवस्था के रूप में पुष्टि करना या अस्तित्व में लाना। और हमें याद है कि नूह की वाचा एक और ऐसी वाचा है जिसे बिना किसी काटने की रस्म के इस तरह पहचाना गया था। ठीक है, तो दाऊद की वाचा के साथ समझौते का एक हिस्सा यह है कि यह घर प्रभु के नाम पर होगा।

मंदिर की उपस्थिति होगी। यह दाऊद की संतानों द्वारा होगा। यही वाचा और वाचा कथा में वादा किया गया है।

और यही बात हम 1 राजा में पूरी होते हुए देखते हैं जब सुलैमान मंदिर बनाता है। इसलिए, अगर हम इस बिंदु पर इसे प्रमुख प्रतिमान से जोड़ते हैं, तो हम ऐसा कर सकते हैं। जैसा कि हम देखेंगे, इसमें कुछ भिन्नताएँ होंगी।

लेकिन परमेश्वर अपने आत्मा के द्वारा वचन, एक भविष्यवक्ता के माध्यम से कार्य करता है। पुराने नियम के डेटा से यह स्पष्ट है कि दाऊद एक भविष्यवक्ता था, लेकिन प्रेरितों के काम 2 में, पतरस ने उसे ऐसा ही लेबल दिया और उसकी पहचान की। वह उस भविष्यवक्ता, दाऊद के माध्यम से अपने शत्रुओं के विरुद्ध युद्ध करने और उन्हें हराने के लिए कार्य करता है, जैसा कि हमने देखा है।

फिर वह एक वाचा स्थापित करता है। यह कोष्ठक में है क्योंकि यह लोगों के साथ नहीं है, बल्कि यह खुद दाऊद और फिर शाही वंश के साथ है। और इसी तरह, उन लोगों को परमेश्वर के लोगों के रूप में स्थापित करने के संबंध में, यह दाऊद को उसके उत्तराधिकारियों के साथ उसका राजा स्थापित करना है।

और फिर, अपने लोगों के बीच मंदिर स्थापित करना, फिर से, मंदिर स्थापित करना है, लेकिन राजा की संतानों के काम की वजह से, वह उनके बीच रहने जा रहा है। इसलिए, हालांकि,

भिन्नताओं को समझना महत्वपूर्ण है। वह स्थापित नहीं कर रहा है, और परमेश्वर यहाँ इस्राएल को अपने लोगों के रूप में स्थापित नहीं कर रहा है।

मूसा की वाचा में उसने पहले ही ऐसा कर दिया है। हालाँकि, वह उन्हें शांति का आश्वासन देता है। और दाऊद के राजत्व का इससे कुछ लेना-देना है।

इससे लोगों को कुछ लाभ मिलने वाला है। और यही बात हम पहले ही पढ़ चुके हैं। वह दाऊद वंश को शाही वंश के रूप में स्थापित करता है।

और जैसा कि हमने पढ़ा है, यही इसका फोकस है। वह डेविड और शाही वंश पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

और इस काम के हिस्से के रूप में वह जो कुछ करने जा रहा है, वह है दाऊद के नाम को महिमामंडित करना। विडंबना यह है कि उत्पत्ति 11 में बाबेल की मीनार बनाने वालों ने कहा, चलो हम अपने लिए एक शहर बनाएँ ताकि हम अपना नाम बना सकें और पूरी धरती पर बिखर न जाएँ। खैर, अपना नाम बनाओ।

इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है कि आप बहुत महत्वपूर्ण हैं, और लोग शायद आकर आपका मुकाबला नहीं करेंगे। और इसलिए, आप पराजित और बिखरे हुए नहीं होंगे। लेकिन अपने लिए नाम बनाने और प्रभु द्वारा आपके लिए नाम बनाने के बीच बहुत अंतर है।

यह पुराने नियम की सामग्री है, लेकिन निश्चित रूप से इसका आधुनिक अनुप्रयोग है। यदि आप या मैं एक महान नाम की आशा करते हैं, तो मैं पहले स्थान पर उस इच्छा पर सवाल उठाऊंगा, लेकिन यदि आप ऐसा चाहते हैं, तो बेहतर है कि यह प्रभु ही करे। क्योंकि यदि आप या मैं ऐसा करने का प्रयास करते हैं, तो यह बहुत स्वस्थ नहीं है।

यह आध्यात्मिक रूप से बिल्कुल भी स्वस्थ नहीं है। यह भगवान की तरह बनने की चाहत की दिशा में है। मैं अपना नाम बनाना चाहता हूँ।

नहीं, प्रभु को आपका नाम जो भी रखना है, रखने दें। यदि आप किसी बड़े चर्च के पादरी हैं, यदि आप वर्मोंट में 50 सदस्यों वाले चर्च के पादरी हैं या कुछ और, जो भी हो, प्रभु को ही रहने दें। और बेशक प्रभु बेटे को शाही उत्तराधिकारी बनाने का वादा कर रहे हैं।

और हमने इस बारे में बात की है। यशायाह 9:5, बेशक, वह अंश है जो वास्तव में स्पष्ट करता है कि यह बच्चा जो पैदा होने वाला है, उसे शक्तिशाली परमेश्वर, शाश्वत पिता, शांति का राजकुमार कहा जाएगा। और अगर हम यीशु को यह कहते हुए देखें, जो मुझे देखता है वह पिता को देखता है, तो हम इसकी प्राप्ति देखते हैं।

इस दाऊद के बेटे का वादा आखिरकार मसीह में पूरा हो रहा है। यशायाह 9:5 में उस नाम के बाद जो इस व्यक्ति के बारे में है जो देहधारी होने जा रहा है, उसका नाम होगा, यह बच्चा पैदा

होगा, और उसका नाम शक्तिशाली परमेश्वर होगा। हम उसकी सरकार और शांति की वृद्धि के बारे में पढ़ते हैं, और इसका कोई अंत नहीं होगा।

वह दाऊद के सिंहासन पर और उसके राज्य पर शासन करेगा, उस समय से लेकर हमेशा के लिए न्याय और धार्मिकता के साथ इसे स्थापित और बनाए रखेगा। सर्वशक्तिमान यहोवा का जोश इसे पूरा करेगा। और इसलिए, अब हम इस दाऊदवंशीय राजा को देख रहे हैं जैसा कि हम भविष्यवक्ताओं में यहाँ-वहाँ उसका उल्लेख देखते हैं।

और निश्चित रूप से यशायाह में इसका बहुत कुछ उल्लेख है। प्रेम में, एक सिंहासन स्थापित किया जाएगा; विश्वासयोग्यता में, एक व्यक्ति उस पर बैठेगा, दाऊद के घराने से एक, और इसी तरह। यशायाह 22:22 में, दिलचस्प बात यह है कि दाऊद के घराने में, दाऊद के घराने का एक सेवक, हिल्कियाह का पुत्र एल्याकीम, जो महल के प्रबंधक के रूप में शोबना की जगह लेगा क्योंकि उसने अपने लिए एक महंगी कब्र बनाई और यरूशलेम की सुरक्षा को मजबूत किया और आने वाले न्याय के सामने मौज-मस्ती का हिस्सा था।

उसने यिर्मयाह से सुना है कि बेबीलोन के लोग आ रहे हैं, या यूँ कहें कि यशायाह से, अशशूर के लोग आ रहे हैं। उसने सुना है कि न्याय आने वाला है। लेकिन उसने यह सब इन सबके बावजूद किया है।

इसलिए, प्रभु उस पर न्याय लाता है। और वह दाऊद के घर की चाबी एल्याकीम को सौंप रहा है। वह जो खोलता है, उसे कोई बंद नहीं कर सकता, और जो बंद करता है, उसे कोई खोल नहीं सकता। मुझे लगता है कि यह मैथ्यू 16 में एक आकर्षक सादृश्य है, जब यीशु पतरस से कहता है, मैं तुम्हें स्वर्ग के राज्य की कुंजियाँ दूँगा।

तो, यहाँ दाऊद के घराने के यीशु हैं, जो दाऊद के घराने के एक सेवक को वचन दे रहे हैं, ठीक वैसे ही जैसे यहाँ। मैं तुम्हें राज्य की कुंजियाँ दूँगा, जो कुछ तुम पृथ्वी पर बाँधोगे वह स्वर्ग में भी बंधेगा, जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोलोगे वह स्वर्ग में भी खुलेगा। तो, थोड़ा सा टाइपोलॉजी, यहाँ तक कि दाऊद और यीशु के क्राइस्टोलॉजी के अंतर्गत भी।

संयोगवश, जैसा कि हम समझते हैं, इस अनुच्छेद को बुरी तरह से गलत समझा गया है। और मुझे यह भी नहीं पता कि इसका इस तरह से अनुवाद क्यों किया गया है, क्योंकि ग्रीक में यह कहा गया है कि जो कुछ भी आप पृथ्वी पर बाँधेंगे, वह स्वर्ग में बंधा होगा। और जो कुछ भी आप पृथ्वी पर खोलेंगे, वह स्वर्ग में खुल जाएगा।

तो, यहाँ यीशु यह नहीं कह रहे हैं कि, पतरस, मैं तुम्हें यह आदेश, यह अधिकार दे रहा हूँ, तुम जो भी कहोगे, हम तुम्हारा समर्थन करेंगे। वह कह रहे हैं कि तुम जो भी कहोगे वह कुछ ऐसा होगा जो स्वर्ग में पहले से ही तय हो चुका होगा। तो, वह कह रहे हैं, मैं तुम्हें भविष्यवाणी कथन और कथन का यह विशेषाधिकार दे रहा हूँ।

तो, यह पतरस पर निर्भर नहीं है। वह तो बस सेवक है जो रिपोर्ट कर रहा है, वास्तव में, स्वर्ग में जो पहले से ही बंधा हुआ या खुला हुआ है उसे लागू कर रहा है। वैसे, यशायाह 55 भी एक बहुत प्रसिद्ध अंश है।

कान लगाओ और मेरे पास आओ। मेरी बात सुनो ताकि तुम्हारा प्राण जीवित रहे। मैं तुम्हारे साथ एक अनन्त वाचा बाँधूँगा। मेरा वफादार प्रेम जो दाऊद से वादा किया गया था।

देखिए, मैंने उसे लोगों के लिए एक गवाह, लोगों का नेता और सेनापति बनाया है। मुझे लगता है कि यह उस बात की ओर इशारा करता है जो हम बाद में प्रकाशितवाक्य 1:5 में यीशु के बारे में पढ़ते हैं। वह एक वफादार गवाह है, और निश्चित रूप से, वह लोगों का नेता और सेनापति है। यह दाऊद की वाचा को दर्शाता है, लेकिन यह किसी ऐसे व्यक्ति से बात करता है जो बाद में आने वाला है, है न? दाऊद से वादा किया गया वफादार प्यार, हेसेड, दाऊद से वादा किया गया अनुग्रह आने वाला है।

और तुम यहाँ पढ़ो, मैं तुम्हारे साथ एक अनन्त वाचा बाँधूँगा। और यह उस व्यक्ति के द्वारा होगा जो एक गवाह बनने जा रहा है, जो दाऊद के घराने से है। तो, यह एक भविष्यवाणी है।

यह एक मसीहाई भविष्यवाणी है। और इसलिए, मैं यहाँ कहूँगा, हमने शाश्वत शब्द के बारे में बात की है। प्रत्येक दिव्य-मानव वाचा जिसे वाचा कहा जाता है, उसे शाश्वत वाचा कहा जाता है, लेकिन वे सभी हमेशा के लिए नहीं रहती हैं।

जैसा कि मुझे उम्मीद है कि हमें याद होगा, हमने इस बारे में बात की है। नूह की वाचा को एक शाश्वत वाचा कहा जाता है। उदाहरण के लिए, उत्पत्ति 9:16 में पहली बार इस शब्द का इस्तेमाल किया गया है, लेकिन हमारे पास एक नया स्वर्ग और पृथ्वी होगी।

तो, एक दिन ऐसा आएगा जब नूह की वाचा कानूनी तौर पर खत्म हो जाएगी। इसलिए यह हमेशा के लिए नहीं है, लेकिन ओलम शब्द का अनुवाद हमेशा के लिए किया गया है, जिसका अर्थ है कि यह अतीत में या भविष्य में बहुत दूर है, यह नज़र से बाहर है। हालाँकि, यहाँ निहित वाचा नई वाचा के बारे में बात करती है जो हमेशा के लिए होने वाली वाचा है।

इब्रानियों 13, सनातन वाचा का लहू एक सनातन वाचा है क्योंकि यह कभी समाप्त नहीं होती। नई वाचा जिसके द्वारा हमें एक नई मानवता मिलती है, अर्थात् हम और एक नया आकाश और पृथ्वी, जो हमेशा के लिए है। बस इतना ही।

यह अंतिम विशेष अनुग्रह वाचा है, और यह शाश्वत है, और हम इसके लिए खुश हो सकते हैं। तो यह यहाँ दाऊद का विषय है जो यशायाह 55 में उससे जुड़ा हुआ है। यिर्मयाह 23 ने इस मसीहाई व्यक्ति की भी भविष्यवाणी की, कि मैं दाऊद के लिए या, दाऊद के लिए, एक धर्मी शाखा, एक राजा को खड़ा करूँगा जो बुद्धिमानी से शासन करेगा।

और यिर्मयाह 30, वे यहोवा, अपने परमेश्वर, और दाऊद, अपने राजा की सेवा करेंगे, जिसे मैं उनके लिए खड़ा करूँगा। यह भी दाऊद की वंशावली से एक अंकुर के रूप में वर्णित है। और

इसलिए, दाऊद के पास इस्राएल के घराने के सिंहासन पर बैठने के लिए एक आदमी हमेशा रहेगा।

तो यह जो आने वाला है उसे शाखा, दाऊद की शाखा, दाऊद का वंशज, लेकिन दाऊद भी कैसे कहा जा सकता है? और हम इस पर आएंगे क्योंकि यह मुद्दा यहजेकेल में भी दिखाई देता है। लेकिन मुद्दा यह है: शब्द दाऊद, हिब्रू शब्द, नाम दाऊद, एक निष्क्रिय रूप है, और यह एक मूल से आता है जिसका अर्थ है प्यार करना। और इसलिए, प्रेम की निष्क्रिय अवधारणा प्रिय है।

और इसलिए, जब आप, हम इन बातों के बारे में पढ़ते हैं, मैं जा रहा हूँ, वे जा रहे हैं, दाऊद उनका चरवाहा होगा। मैं उनके लिए दाऊद को खड़ा करने जा रहा हूँ। हम पुनर्जीवित दाऊद के बारे में बात नहीं कर रहे हैं जो इज़राइल पर शासन करने जा रहा है।

हम उस प्रिय के बारे में बात कर रहे हैं जो दाऊद की शाखा, अंकुर आदि बनने जा रहा है। तो, हम उस पर वापस आएंगे, लेकिन वहाँ यही हो रहा है। और यिर्मयाह 33 में भी इसी तरह का वादा है।

यहेजकेल 34, मैं उन पर एक चरवाहा, अर्थात् अपना सेवक दाऊद नियुक्त करूँगा, और वह उनकी देखभाल करेगा। यहजेकेल 34, मैं यहोवा उनका परमेश्वर ठहरूँगा। मेरा सेवक दाऊद उनका प्रधान होगा।

मैं, यहोवा, बोला हूँ। यहजेकेल 37, मेरा सेवक दाऊद उनका राजा होगा। उनका एक चरवाहा होगा।

और यहजेकेल 37, मेरा सेवक दाऊद हमेशा के लिए उनका राजकुमार रहेगा। तो, इस तरह के बयानों को देखने का क्लासिक तरीका यह रहा है, ठीक है, यह एक तरह का क्राइस्टोलॉजिकल या प्रतीकात्मक मसीहाई प्रकार है, और यह काफी हद तक सच है। लेकिन जैसा कि हमने कहा है, यहाँ असली मुद्दा यह है कि डेविड, दाविद शब्द का अर्थ प्रिय है।

और इसलिए, जब आप इन अंशों को पढ़ते हैं, तो प्रभु वास्तव में कह रहे हैं कि एक प्रिय व्यक्ति उनका राजकुमार बनने जा रहा है। वह उन पर शासन करने जा रहा है। और हम बाद में, निश्चित रूप से, सीखते हैं कि वह यीशु है।

यहाँ यीशु के संबंध में कुछ वंशावली सूचनाएँ या दावे किए गए हैं। मत्ती 1 इस से शुरू होता है: वंशावली, दाऊद के पुत्र, अब्राहम के पुत्र यीशु मसीह की वंशावली का अभिलेख। लूका का उसका परिचय बहुत बढ़िया होगा।

परमप्रधान के पुत्र कहलाते हैं, प्रभु परमेश्वर उसे उसके पिता दाऊद का सिंहासन देगा। वंशावली में जो आदम तक जाती है, उसे दाऊद के पुत्र के रूप में पहचाना जाता है, और इसी तरह। और यहाँ मैथ्यू की वंशावली का उल्लेख करने के लिए, संख्याओं का उपयोग करने की एक हिब्रू तकनीक है।

और जब आप ऐसा करते हैं, तो आपको पता चलता है कि वंशावली, हिब्रू अक्षरों में 14 पीढ़ियों के तीन सेट, उन व्यंजनों द्वारा चिह्नित किए जा सकते हैं जो डेविड नाम बनाते हैं। और इसलिए, डेविड का विचार वास्तव में वंशावली की संरचना का आधार है। इसे गैमेट्रिया कहा जाता है।

और यह ऐसी चीज़ है जिसे आप देख सकते हैं। मुझे लगता है कि आप इसे ऑनलाइन आसानी से पा सकते हैं। मैंने अपने तीसरे खंड में इसके बारे में लिखा है, लेकिन यह मेरे लिए कोई नया विचार नहीं है। लेकिन यह बहुत ही रोचक है कि डेविड थीम बहुत महत्वपूर्ण है।

बाइबल में दाऊद का ज़िक्र मूसा से भी ज़्यादा बार किया गया है, जो दिलचस्प है। और हम इस पर थोड़ी देर बाद विचार करेंगे। तो, वैसे भी, इस दाऊदी वाचा की पहचान और यहाँ दाऊद के महत्व में, प्रेरितों के काम 13 में, पौलुस ने पिसिदिया के अन्ताकिया में आराधनालय को अपने संबोधन में, यह बात कहने की कोशिश की कि, सुनो, यह वही है जिसका हम इंतज़ार कर रहे थे।

पॉल खुद को सुसमाचार के एक प्रेरित के रूप में पहचानता है, जिसने अपने बेटे के बारे में अपने भविष्यवक्ताओं के माध्यम से वादा किया था, जो अपने मानवीय स्वभाव के अनुसार, दाऊद का वंशज था। खैर, इस दाऊदी राजा की निश्चित रूप से उम्मीद की गई थी और उम्मीद की गई थी, और हम इसे लोकप्रिय मान्यता में भी देखते हैं। और फिर, हम इन पर बस एक तरह से चर्चा करेंगे क्योंकि आपके पास ये नोट्स में होंगे।

लेकिन यीशु यहाँ आगे बढ़ते हैं। उनके पीछे दो अंधे आदमी हैं जो पुकार रहे हैं, दाऊद के बेटे, हम पर दया करो। लोग उनके चमत्कारों पर आश्चर्यचकित हैं और कहते हैं, क्या यह दाऊद का बेटा हो सकता है? कनानी महिला जो अपनी बेटी के लिए मुक्ति की उम्मीद करती है, कहती है, प्रभु, दाऊद के बेटे, मुझ पर दया करो।

यहाँ यरीहो के अंधे लोग, प्रभु, दाऊद के पुत्र, हम पर दया करें। जब यीशु यरूशलेम में प्रवेश कर रहा है, तो दाऊद के पुत्र को होशाना, धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।

बेशक, यह पुजारियों और कानून के शिक्षकों को अपमानित करता है। अंधे बरतिमाई, यीशु, दाऊद के बेटे, मुझ पर दया करो, इत्यादि। यीशु खुद तर्क देते हैं, तुम मसीह के बारे में क्या सोचते हो? वह किसका बेटा है? दाऊद का बेटा, उन्होंने उत्तर दिया।

खैर, अगर दाऊद उसे प्रभु कहता है, तो वह उसका बेटा कैसे हो सकता है? यहाँ यीशु इस तथ्य का लाभ उठा रहे हैं कि भजन 110 को मसीहाई भजन समझा गया था। लेकिन हम जानते हैं कि यह कैसे शुरू होता है। प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा, मेरे दाहिने हाथ बैठो, और मैं तुम्हारे शत्रुओं को तुम्हारे पैरों के नीचे की चौकी बना दूँगा।

यीशु कह रहे हैं, ठीक है, एक मिनट रुको। यदि दाऊद इस मसीहाई व्यक्ति, दाऊद के इस पुत्र को पहले से ही प्रभु कह रहा है, तो वह दाऊद का पुत्र कैसे हो सकता है? तो, यह अवतार के रहस्य और जो हुआ उसका संकेत देता है। और इसलिए, बेशक, यीशु इस बात से पूरी तरह अवगत थे।

यदि हम प्रतीक विज्ञान के मुद्दे पर विचार करते हैं, और आपको याद होगा कि जब हमने नूह के बारे में बात की थी, तो हमने प्रतीक विज्ञान के बारे में बात की थी। और हमने कहा कि प्रतीक विज्ञान, जैसा कि विद्वान इस विचार का उपयोग करते हैं, पद का मामला है, जरूरी नहीं कि चरित्र का। इसलिए, अहाब, जो कि इस्राएल में एक राजा था, जो कि बिल्कुल भी अच्छा चरित्र नहीं था, फिर भी तकनीकी रूप से उसे मसीह का एक प्रकार कहा जा सकता है क्योंकि वह इस्राएल में एक राजा था।

तो, नूह, एक वाचा मध्यस्थ भविष्यवक्ता के रूप में जिसने वास्तव में लोगों के उद्धार के लिए भी काम किया है, निश्चित रूप से मसीह का एक प्रकार कहा जा सकता है। उसके पास भी ऐसे गुण थे जो बाद में यीशु के लिए भी सच थे। वह धर्मी था।

वह परमेश्वर के प्रति वफ़ादार था, इत्यादि। लेकिन दाऊद अपने कार्यों के कारण मसीह का प्रतीक है। वह एक राजा है।

वह एक पैगम्बर है। वह एक चरवाहा था, यहाँ एक अलग बात है। लेकिन प्राचीन दुनिया में राजा को चरवाहा मानने का विचार बहुत पुराना है।

अगर आप मिस्र के शिलालेखों को पढ़ें तो पाएंगे कि फिरौन को अक्सर चरवाहा नहीं कहा जाता। लेकिन अगर आप प्रतिमा-विज्ञान को देखें तो पाएंगे कि फिरौन के पास चरवाहे की लाठी होती थी। मेसोपोटामिया में यह बोली का एक बहुत ही आम रूप था।

राजा एक चरवाहा है। और इसलिए, यह विचार कि एक शासक एक चरवाहा होगा, एक मानक बात है। क्यों? खैर, क्योंकि आप वहाँ के लोगों के समूह पर विचार करते हैं, वे झुंड हैं। उन्हें एक चरवाहे की आवश्यकता है।

दिलचस्प बात यह है कि मूसा शासक या नेता बनने से पहले एक चरवाहा था। दाऊद नेता बनने से पहले एक चरवाहा था। और यीशु ने यूहन्ना 10 में खुद को एक अच्छा चरवाहा बताया है।

तो, यह आंकड़ा बाइबल में हर जगह मौजूद है। बेशक, भजन 23 में, प्रभु मेरा चरवाहा है। हमने इस बारे में थोड़ी बात की है।

डेविड नाम का अर्थ है प्रिय। और इसलिए, जब यीशु बपतिस्मा के पानी से बाहर आता है, और स्वर्ग से एक आवाज़ आती है, यह मेरा बेटा, प्रिय है, जिससे मैं बहुत प्रसन्न हूँ। यदि आप इसे हिब्रू में अनुवाद करते हैं, तो आप कह सकते हैं, यह मेरा बेटा, डेविड है, क्योंकि नाम का बिल्कुल यही अर्थ है।

और इसलिए, यीशु वास्तव में वह सब है जो दाऊद नाम से हो सकता है या जिसका अर्थ हो सकता है। वहाँ, आपके पास वास्तविक अवतार है, वादे की प्राप्ति, वादे जो आपको यिर्मयाह और यहजेकेल में मिलते हैं, विशेष रूप से दाऊद के बारे में, जो उन पर शासन करने जा रहा है। हमने गवाही के विषय पर बात की।

मैं बस उसी पर वापस आना चाहता हूँ और इसे किसी और चीज़ से जोड़ना चाहता हूँ। यशायाह 55, जैसा कि हम याद कर सकते हैं, कहा गया है, मैंने उसे लोगों के लिए एक गवाह, लोगों का नेता और सेनापति बनाया है। और संयोग से, मैंने उसे बनाया है।

खैर, आप इसका इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं? आप कैसे कह सकते हैं कि मैंने उसे बनाया है जबकि उसके जन्म से अभी सदियाँ पहले ही बीत चुकी हैं? और यह यहाँ एक तरह के फुटनोट या जो भी हो, के रूप में ध्यान देने योग्य है। पुराने नियम में बहुत सी भविष्यवाणियाँ इस तरह से कही गई हैं जैसे कि वे पहले ही हो चुकी हों। और एसआर ड्राइवर, 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में ऑक्सफोर्ड के एक बहुत ही उदार विद्वान ने हिब्रू काल पर एक किताब लिखी।

और उनके पास एक विचार था, जो मुझे लगता है कि बहुत दूर की बात नहीं है, जिसे उन्होंने भविष्यवाणी का परिपूर्ण नाम दिया। उन्होंने समझाया कि यह विचार इतना ज्वलंत था कि यह पैगंबर के लिए एक पूर्ण तथ्य था। इसलिए उन्होंने इसे कुछ ऐसा लिखा जो पहले ही हो चुका है।

मुझे लगता है कि इसे देखने का थोड़ा बेहतर तरीका यह है। यदि भविष्यद्वक्ता, जैसा कि पीटर कहते हैं, आत्मा द्वारा प्रेरित थे, यदि उन्होंने जो शब्द बोले वे आत्मा द्वारा उनके माध्यम से बोले गए थे, तो आत्मा, ईश्वर, समय से परे है। वह एक ही समय में अल्फा और ओमेगा है।

इसीलिए पौलुस इफिसियों 2 में कह सकता है कि हम पहले से ही स्वर्गीय स्थानों में मसीह के साथ बैठे हुए हैं। उसके लिए, यह हमें ऐसा नहीं लगता, लेकिन यह हो चुका है। पौलुस हमें आश्चस्त कर रहा है।

यह हो चुका है। यह एक तथ्य सौदा है। और इसलिए, भगवान के लिए, ब्रह्मांड बनाने से पहले, एस्केटन उनके पास मौजूद था, और यह उन्हें सौंप दिया गया था।

तो, भगवान के लिए, सभी समय से बाहर हैं, और निश्चित रूप से, हम एक अंतरिक्ष-समय सातत्य में रहते हैं, है न? पैकेज के हिस्से के रूप में समय के बिना कुछ भी अस्तित्व में नहीं रह सकता है, जिस संदर्भ में यह मौजूद है। और इसलिए, भगवान ने समय भी बनाया। और अगर उसने इसे बनाया है, तो ऐसा लगता है, परिभाषा के अनुसार, वह इसके बाहर है।

और जाहिर है, स्वर्ग का अपना समय होता है, और हम उसमें नहीं जाएंगे। लेकिन हालांकि मेरेडिथ क्लेन ने इसके बारे में लिखा है, और मुझे अपने पहले खंड के अंत में उनसे थोड़ा सा संवाद करना है, मुझे लगता है कि सबूत मौजूद हैं। लेकिन वैसे भी, भगवान समय से परे हैं, इसलिए उनके लिए सभी चीज़ें मौजूद हैं।

उसके लिए सभी चीज़ें अतीत हैं। उसके लिए सभी चीज़ें भविष्य हैं, एक ही समय में। उसके विचारों के बारे में बात करें जो हमारे विचारों से ऊपर हैं।

हम वहाँ तक नहीं पहुँच सकते। लेकिन मुद्दा यह है कि अगर परमेश्वर के लिए सभी समय बीत चुके हैं, तो वह किसी भविष्यवक्ता के माध्यम से किसी चीज़ का वर्णन या विवरण बहुत आसानी से दे सकता है जैसे कि वह पहले ही हो चुकी हो। इससे सरल कुछ भी नहीं है।

इसीलिए 1 राजा 13 में, मुझे लगता है कि वह भविष्यवाणी कर सकता है कि योशियाह नाम का एक भावी राजा यहाँ आएगा और ये काम करेगा। इसीलिए यशायाह 44 और 45 में, वह यशायाह के ज़रिए, कुसू के बारे में भविष्यवाणी कर सकता है, जो अभी तक पैदा भी नहीं हुआ है। तो यह कोई कठिन अवधारणा नहीं है, लेकिन किसी को यह स्वीकार करना और सहमत होना होगा कि भविष्यवाणी होती है, कि यह संभव है, कि यह वही है जो यह है।

यह ईश्वर से आता है। और अगर कोई इसे स्वीकार करता है, तो बाकी सब कुछ उसका अनुसरण करता है। लेकिन वैसे भी, मैंने उसे लोगों के लिए गवाह बना दिया है।

भजन 89 में हम यह भी पढ़ते हैं, मैं उसे अपना ज्येष्ठ पुत्र ठहराऊंगा, जो पृथ्वी के राजाओं में सबसे महान है। यह दाऊद का राजा है जो आने वाला है। इसलिए दाऊद की गवाही और दाऊद के राजा, या दाऊद का ज्येष्ठ पुत्र, के ये विषय नए नियम में एक साथ मिलते हैं।

यीशु मसीह, जो कि एक विश्वासयोग्य गवाह है, मृतकों में से ज्येष्ठ है। लेकिन साथ ही, यह वही विश्वासयोग्य गवाह है जो सारी सृष्टि में ज्येष्ठ है। और ज्येष्ठ की इस अवधारणा को समझना महत्वपूर्ण है क्योंकि एरियन का यह विचार था कि, ठीक है, देखो, अगर वह सारी सृष्टि में ज्येष्ठ है, तो वह वास्तव में विशेष है क्योंकि वह ज्येष्ठ था, लेकिन इसका मतलब यह होना चाहिए कि एक समय ऐसा था जब वह ज्येष्ठ नहीं था।

यह एक गलतफहमी है क्योंकि भजन 89 में हम पढ़ते हैं कि मैं उसे अपना ज्येष्ठ पुत्र नियुक्त करूँगा। दूसरे शब्दों में, यहाँ ज्येष्ठ पुत्र को एक नियुक्ति स्थिति, एक तकनीकी, एक कानूनी अवधारणा के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। ज्येष्ठ पुत्र वारिस है।

और प्रभु कह रहे हैं, यह राजा जो आने वाला है, यह दाऊद, मैं उसे ज्येष्ठ पुत्र नियुक्त करने जा रहा हूँ। दूसरे शब्दों में, वह सभी चीज़ों का वारिस होने जा रहा है, जो कि वह है। और, बेशक, उसमें, हम भी वारिस हैं।

ठीक है। तो, यह दाऊदी वाचा मंदिर के निर्माण को अनिवार्य बनाती है। यह मंदिर दाऊद के बेटे द्वारा बनाया जाएगा।

डेविड का बेटा श्लोमो सोलोमन है। नाम का मतलब है उसकी शांति, जो मुझे बहुत बढ़िया लगता है क्योंकि शांति का राजकुमार, सार शालोम, यशायाह 9 में शांति का राजकुमार यह अवतारित डेविडिक बेटा है जो आ रहा है। और यीशु वादा करता है, शांति मैं तुम्हारे साथ छोड़ता हूँ।

यह वह नहीं है जो दुनिया आपको दे सकती है। मैं इसे आपके साथ छोड़ता हूँ। और संयोग से, चूंकि हम इस समय शांति के बारे में बात कर रहे हैं, इसलिए उस शब्द के अर्थ पर विचार करना कोई बुरी बात नहीं है, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि ग्रीक वास्तव में इसे व्यक्त करता है।

लेकिन अगर हम समझें कि इस यूनानी शब्द, इरेनियस के पीछे शालोम, शांति है। शालोम का मूल विचार पूर्णता, स्वस्थता है। और यही यीशु कह रहे हैं।

वह यह नहीं कह रहा है कि मैं तुम्हारे साथ शांति छोड़ जाऊंगा क्योंकि वह पहले ही कह चुका है कि जब लोग मेरे कारण तुम्हें सताते हैं और तुम्हारे बारे में झूठ बोलते हैं तो तुम धन्य हो, क्योंकि यही उन्होंने भविष्यवक्ताओं के साथ किया था। वह कह रहा है कि तुम्हारे अंदर रहने वाली आत्मा के द्वारा मैं तुम्हें और अधिक संपूर्ण, अधिक स्वस्थ बनाऊंगा। तुम शालोम स्वस्थता प्राप्त करने जा रहे हो।

और जो कुछ भी बाहर से होता है, जो कुछ भी आपके रास्ते में आता है। और यह बहुत, बहुत बेहतर है। और यही वादा है।

और वह उसका राजकुमार है। तो, यह दाऊद का बेटा, वह राजा बनने जा रहा है। वह एक भविष्यवक्ता बनने जा रहा है।

वह एक मंदिर निर्माता बनने जा रहा है। और यह, ज़ाहिर है, हम, चर्च बन जाते हैं। और मंदिर से संबंधित ईश्वरीय दर्शन का एक इतिहास है जो इसके अनुरूप है।

तम्बू में मूसा तम्बू को पूरा करता है। और फिर क्या होता है? महिमा का बादल, थियोफैनिक बादल, मिलाप के तम्बू, तम्बू को ढक लेता है। प्रभु की महिमा ने तम्बू को भर दिया।

मूसा मिलापवाले तम्बू में प्रवेश नहीं कर सका क्योंकि बादल उस पर छा गया था, और यहोवा की महिमा ने तम्बू को भर दिया था। बाद में, जब सुलैमान ने मंदिर का निर्माण पूरा कर लिया, तो दाऊद के बेटे ने उस मंदिर का निर्माण किया, जबकि याजक चले गए, और बादल ने मंदिर को भर दिया। बादल के कारण याजक अपनी सेवा नहीं कर सके, क्योंकि यहोवा की महिमा ने उसके मंदिर को भर दिया था, ठीक वैसे ही जैसे यहोवा की महिमा ने तम्बू को भर दिया था।

और बाद में, भगवान इसे इस तरह से चित्रित करते हैं। मैंने इस मंदिर को पवित्र किया है। मैंने इसे अलग रखा है।

मैंने अपना नाम हमेशा के लिए वहाँ रखकर इसे पवित्र घोषित कर दिया है। तो यह दूसरी बात है। सुलैमान ने जो मंदिर बनवाया था, वह पवित्र हो गया, और यह इसलिए पवित्र नहीं हुआ क्योंकि लोग इसे प्रभु को समर्पित करते हैं, बल्कि इसलिए कि प्रभु इसे पवित्र करते हैं।

उनकी उपस्थिति इसे पवित्र बनाती है। अगर हम निर्गमन 3 को याद करें, जब प्रभु वहाँ प्रकट हुए और मूसा से कहा कि अपनी चप्पलें उतार दो क्योंकि यह पवित्र भूमि है, तो मुझे लगता है कि मैं आपको गारंटी दे सकता हूँ कि एक बार जब यह सब खत्म हो गया और प्रभु चले गए, तो जमीन फिर से सिर्फ मिट्टी बन गई। यह सिर्फ मिट्टी थी।

इसमें कुछ भी पवित्र नहीं है। आप इस पर चप्पल पहनकर या बिना चप्पल के चल सकते थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

तो, यह प्रभु की उपस्थिति है जो चीज़ को पवित्र बनाती है, और लोगों ने इसे काफी समय से समझा है। और इसलिए यही हमें भी पवित्र बनाता है। और हम भी मंदिर बन जाते हैं, और हम प्रभु द्वारा इस अलंकरण में पुराने नियम के तम्बू के नए नियम के समकक्ष को देखते हैं।

जब पित्तुकुस्त का दिन आया, तो वे सब एक जगह इकट्ठे थे। अचानक, स्वर्ग से तेज़ हवा के चलने जैसी आवाज़ आई और पूरे घर में फैल गई जहाँ वे बैठे थे। उन्होंने देखा कि आग की जीभें अलग हो रही थीं और उनमें से हर एक पर आकर टिक गई थीं।

वे सभी पवित्र आत्मा से भर गए और आत्मा द्वारा सक्षम किए जाने पर अन्य भाषाओं में बोलने लगे। इसलिए, जैसा कि विद्वान अक्सर पहचानते हैं, यह एक तूफ़ान ईश्वरीय दर्शन है, और यह प्रभु का नए मंदिर में आना है, जिसे वह अब ऐसा बनाने के लिए बना रहा है, अब मंदिर बना रहा है। यह सभी लोग हैं, जीवित पत्थरों का मंदिर जैसा कि पीटर कहते हैं, व्यक्तिगत मंदिर जो एक साथ मिलकर सामूहिक मंदिर बनाते हैं।

इसलिए, मुझे लगता है कि यह भगवान में एक अद्भुत निरंतरता को दर्शाता है। एक मंदिर तैयार किया जाता है, और वह उसमें प्रवेश करता है, और वह इसे एक वास्तविक मंदिर, एक वास्तविक निवास बनाता है। और हमने मंदिर शब्द के अर्थ के बारे में बात की, जिसका अर्थ है एक बड़ा घर या बस मूल रूप से एक निवास।

इसी तरह से हमें मंदिर कहा जा सकता है क्योंकि मंदिर का मतलब पत्थर से बनी इमारत या कुछ और नहीं, या फिर कोई तम्बू या तंबू भी नहीं होता। यह वह जगह हो सकती है जहाँ प्रभु एक खास तरीके से वास करते हैं, वास्तव में मौजूद हैं, और यही वह है जो वह हम में हैं। तो यह दाऊद का बेटा जिसके बारे में हम यहाँ बात कर रहे हैं, वह प्रिय है, वह दाऊद है।

वह अपनी शांति लाता है और सुलैमान का नाम इसका पूर्वाभास कराता है या इसका पूर्वाभास कराता है। और वह मंदिर बनाता है, और इसलिए सुलैमान ऐसा करता है, लेकिन फिर दाऊद का पुत्र, महान पुत्र, दाऊद, प्रिय, चर्च का निर्माण करता है। तो, इस दाऊदी वाचा से बहुत कुछ निकलता है; ये वादे जो हम 2 शमूएल 7 और नए नियम में पढ़ते हैं, निश्चित रूप से हमारे लिए इसे एक साथ लाते हैं।

खैर, चूंकि डेविड एक भविष्यवक्ता है, इसलिए भविष्यवाणी की गतिशीलता और इससे क्या हो सकता है, इस पर विचार करना उचित हो सकता है। और इसलिए, मैं डेविड को एक संगीतकार या वीणा वादक या उपासक के रूप में देखना चाहूंगा। और मुझे लगता है कि सबसे पहले जो वास्तव में दिखाई देता है वह 1 शमूएल 16 में है, जहाँ आपको याद है कि 2 शमूएल 7 में प्रभु ने डेविड से कहा था कि तुम्हारा यह बेटा, संतान, मंदिर बनाने जा रहा है।

अगर वह पाप करता है, तो मैं उसे दण्डित करूँगा, लेकिन मैं उससे अपना प्रेम या अनुग्रह नहीं हटाऊँगा जैसा मैंने शाऊल के साथ किया था। खैर, जब अनुग्रह हटा दिया जाता है तो ऐसा ही

लगता है। और मैं यही सोचता हूँ, तो यह क्या है? यह पवित्र आत्मा है; प्रभु की आत्मा शाऊल से विदा हो गई थी।

खैर, लेकिन यह सबसे बुरी बात नहीं है क्योंकि तब प्रभु की ओर से एक दुष्ट आत्मा ने उसे सताया। और मुझे लगता है कि यहाँ संयोग से हम समझते हैं कि ऐसा नहीं है कि प्रभु के पास दुष्ट आत्माओं का एक समूह है और वह जब चाहे किसी को जाने देता है, वह किसी को परेशान करता है। वह एक दुष्ट आत्मा को आने देता है और वह जो करना चाहता है वह करता है।

और वह इस मामले में शाऊल पर निर्णय के रूप में इसका उपयोग कर रहा है। और इसलिए, संयोग से बाद में, जब दाऊद ने बतशेबा के साथ व्यभिचार किया और भजन 51 में, वह प्रार्थना करता है, मुझसे अपनी पवित्र आत्मा को मत छीनो। वह जानता है कि शाऊल के साथ ऐसा कैसा होता है, और वह नहीं चाहता कि उसके साथ ऐसा हो।

और इसलिए, यह उनकी ओर से एक बहुत ही सार्थक प्रार्थना है। और प्रभु उस पर विश्वासयोग्य थे। उन्होंने अपनी आत्मा को दाऊद से नहीं छीना, लेकिन उन्होंने अपनी आत्मा को शाऊल से छीन लिया।

और इसलिए, शाऊल के सेवकों ने उससे कहा, देखो, परमेश्वर की ओर से एक दुष्ट आत्मा तुम्हें सता रही है। हमारे प्रभु अपने सेवकों को आज्ञा दें कि वे किसी ऐसे व्यक्ति को खोजें जो झूठा नाटक कर सके। जब परमेश्वर की ओर से दुष्ट आत्मा तुम पर आएगी, तो वह झूठा नाटक करेगा, और तुम बेहतर महसूस करोगे।

इसलिए शाऊल ने अपने सेवकों से कहा, मेरे लिए कोई ऐसा व्यक्ति ढूंढो जो अच्छा बजाता हो और उसे मेरे पास लाओ। और उनमें से एक ने कहा कि मैंने बेथलेहम के यिशै के एक बेटे को देखा है जो झूठ बोलना जानता है। वह एक बहादुर आदमी और योद्धा है।

वह अच्छा बोलता है। वह एक सुंदर आदमी है, और प्रभु उसके साथ है। इसलिए, शाऊल ने यिशै के पास दूत भेजे और कहा, अपने बेटे दाऊद को मेरे पास भेजो, जो भेड़ों के साथ है।

इसलिए यिशै ने रोटी से लदा एक गधा, एक मशक दाखमधु और एक बकरी का बच्चा लिया और उन्हें अपने बेटे दाऊद के साथ शाऊल के पास भेज दिया। दाऊद शाऊल के पास आया और उसकी सेवा में लग गया। शाऊल उसे बहुत पसंद करता था।

और दाऊद उसके हथियार ढोनेवालों में से एक बन गया। तब शाऊल ने यिशै के पास यह सन्देश भेजा, कि दाऊद को मेरी सेवा में रहने दे, क्योंकि मैं उससे प्रसन्न हूँ। जब भी परमेश्वर की ओर से आत्मा शाऊल पर आती, अर्थात् वह दुष्ट आत्मा जिसे परमेश्वर ने उस पर आने दिया, तो दाऊद अपना झूठा वस्त्र उठाकर खेलता।

तब शाऊल को राहत मिलेगी। वह बेहतर महसूस करेगा। दुष्ट आत्मा उससे दूर हो जाएगी।

संभावित स्पष्टीकरण, मनोवैज्ञानिक या भावनात्मक राहत। खैर, ऐसा हो सकता है। लेकिन मेरा सुझाव है कि आप कहीं भी कुछ सुंदर संगीत बजा सकते हैं, और यह जरूरी नहीं कि किसी राक्षस को भगा दे, किसी बुरी आत्मा को नहीं भगाएगा।

तो, यहाँ क्या हो रहा है? मुझे लगता है, ठीक है, स्पष्ट रूप से, मैं मुक्ति शब्द का उपयोग करता हूँ। शाऊल को आत्मा से मुक्ति मिल रही है। आत्मा उस पर हमला कर रही है और वह मुक्त हो जाता है।

डेविड के बजाने पर उसे कुछ समय के लिए इससे मुक्ति मिल जाती है। ठीक है। तो, जब डेविड बजाता है तो क्या हो रहा होता है? क्या वह सिर्फ धुन बजा रहा होता है, और क्या इससे शाऊल को अच्छा महसूस होता है? मुझे लगता है कि इससे ज़्यादा कुछ हो रहा होगा।

मुझे लगता है कि भजन 22 हमें इसे समझने में मदद कर सकता है अगर हम इसे सही तरीके से समझें। एनआईवी श्लोक तीन का अनुवाद करता है, आप ही हैं। आप पवित्र के रूप में सिंहासनारूढ़ हैं। आप ही वह हैं जिसकी प्रशंसा इस्राएल करता है।

मुझे लगता है कि इसे समझने का बेहतर तरीका यह होगा कि आप पवित्र व्यक्ति हैं जो सिंहासन पर विराजमान हैं, इस्राएल की स्तुति में निवास करते हैं। और अगर ऐसा है, तो इसका क्या मतलब है? मैं यही सोचता हूँ। जब प्रभु की वास्तविक आराधना चल रही होती है, तो प्रभु प्रतिक्रिया देते हैं।

वह इसका सम्मान करता है। वह खुद को प्रस्तुत करेगा। इसका मतलब है कि उसकी पवित्र आत्मा वहाँ ज़्यादा मौजूद है, और लोग धन्य हैं।

कुछ लोग इसका प्रत्यक्ष अनुभव होने का दावा कर सकते हैं। दूसरों को कुछ भी महसूस नहीं होता, लेकिन मुझे लगता है कि यह किसी भी समय हो सकता है। और मुझे लगता है कि इस भजन का यही मतलब है।

प्रभु स्तुति में वास करते हैं। जब लोग वास्तव में उनके होते हैं, तो वे उनका स्वागत करते हैं, उन्हें आशीर्वाद देते हैं। यह सिर्फ भावनात्मक नहीं है।

तो, जैसा कि मैं कभी-कभी छात्रों से कहता हूँ, आप जानते हैं, मुझे लगता है कि दो लोग दो कमरों में हो सकते हैं। वे दोनों एक ही समय में एक ही भजन गा रहे हैं। उनमें से एक, वे वास्तव में पूजा कर रहे हैं।

वे गा रहे हैं, और वे आत्मा और सच्चाई से आराधना कर रहे हैं। बाकी लोग सिर्फ गीत गा रहे हैं। उनमें से एक वह जगह है जहाँ असली आराधना हो रही है; प्रभु मौजूद हैं।

वह इसका सम्मान कर रहे हैं। दूसरे वाले का उतना सम्मान नहीं है। मेरा मतलब है, वह सर्वव्यापी हैं।

मैं बस इतना कह रहा हूँ कि वह एक खास तरीके से प्रकट होता है। अगर डेविड के साथ भी ऐसा ही है, तो इसका मतलब है कि पवित्र आत्मा प्रकट होता है। दुष्ट आत्मा को इससे कोई परेशानी नहीं होती।

और इसलिए वह कुछ समय के लिए चला जाता है। यही बात समझा सकती है। वैसे भी, यही होता है।

हम बाद में सीखते हैं, मेरा मतलब है, डेविड और पूजा के बारे में बात करते हैं। डेविड इसमें बहुत शामिल है। इन अंशों के बारे में, जैसा कि हम पढ़ते हैं, और भविष्यवाणी का आयाम वहाँ है।

दाऊद ने निश्चित रूप से बाद में इस्राएल के राजा के रूप में पूजा से बहुत कुछ लिया। उसने कुछ लेवियों को संगीतकार बनाने की व्यवस्था की और इसी तरह के अन्य काम किए। शब्द वीणा, इसे उजागर करता है क्योंकि यह शामिल है।

दिलचस्प बात यह है कि यहाँ दाऊद ने आसाप के कुछ बेटों और अन्य लोगों को वीणा, सारंगी और झांझ के साथ भविष्यवाणी करने की सेवा के लिए अलग रखा है। यह संगीत-निर्माण को भविष्यवाणी से जोड़ता है। बेशक, भविष्यवाणी इसलिए होती है क्योंकि इसमें पवित्र आत्मा शामिल है।

मुझे लगता है कि 2 राजा 3 में एक ऐसा अंश है जो इससे जुड़ा हो सकता है। फिर से, मैं इनमें से कुछ को छोड़ रहा हूँ क्योंकि वे एक ही तरह के हैं। यहाँ मामला यह है कि मोआब ने इस्राएल के खिलाफ विद्रोह किया और उत्तरी राज्य का एक जागीरदार राज्य था। इस्राएल का राजा और यहोशापात, जो दक्षिण से आए, उनकी मदद करने के लिए यहूदा का राजा और एदोम का राजा मोआब के खिलाफ जाने और उन्हें फिर से जीतने की कोशिश करने के लिए सहयोगी के रूप में एक साथ आए।

संयोग से, यह प्राचीन दुनिया में होने वाली घटनाओं की एक बहुत ही खासियत है। कोई जागीरदार विद्रोह करता था, और अधिपति उन्हें फिर से जीतने और अपने अधीन करने के लिए निकल पड़ता था। यहाँ भी ठीक यही हो रहा है।

खैर, वे अपना रास्ता खो देते हैं और वे सोचने लगते हैं कि शायद प्रभु ने उन्हें यहाँ पर नाश करने के लिए भेजा है। वह उनका न्याय करने जा रहा है। और इसलिए, यहोशापात कहता है, अच्छा, क्या आस-पास प्रभु का कोई नबी है जिससे हम सलाह ले सकें? और वे एलीशा को ढूँढ़ लेते हैं।

इसलिए, एलीशा आता है, और कहता है, निश्चित रूप से सर्वशक्तिमान यहोवा के जीवन की शपथ जिसकी मैं सेवा करता हूँ, अगर मैं यहूदा के राजा यहोशापात की उपस्थिति का सम्मान नहीं करता, तो मैं इस्राएल के राजा, तुम पर कोई ध्यान नहीं देता। लेकिन अब, मेरे लिए एक वीणावादक लाओ। और इसलिए, जब वीणावादक बजा रहा था, तो यहोवा का हाथ एलीशा पर आया।

और वह कहता है, यह प्रभु का है, इसलिए यह दिलचस्प है। प्रभु का हाथ क्या है? मुझे लगता है कि यह हिब्रू में हाथ शब्द है। मेरा मतलब है, अगर आप इसके बारे में सोचें, तो यह सिर्फ इतना ही नहीं है, और यह पूरी बांह नहीं है, बल्कि यह इस तरह है।

तो, आप जानते हैं, यह वह है जिससे आप चीज़ें कर सकते हैं। आप तलवार चला सकते हैं, और आप सामान बना सकते हैं। कभी-कभी, इसका इस्तेमाल शक्ति के लिए प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।

और इसलिए, मुझे लगता है कि यहाँ यह एक अच्छी समझ है। प्रभु की शक्ति उस पर आई, लेकिन हम समझते हैं कि यह आत्मा है। यह भविष्यवाणी की आत्मा है।

यह पवित्र आत्मा है जो भविष्यवाणी करता है। तो, याद, हाथ, प्रभु की शक्ति वह आत्मा है जो एलीशा पर आती है, और फिर वह भविष्यवाणी करता है। प्रभु यही कहते हैं।

मैं इस घाटी को पानी के कुंडों से भर दूँगा। तुम न तो हवा देखोगे और न ही बारिश, फिर भी यह घाटी पानी से भर जाएगी, और तुम, तुम्हारे मवेशी और तुम्हारे दूसरे जानवर पानी पीएँगे। और यह यहोवा की नज़र में एक आसान बात है।

वह मोआब को भी तुम्हारे हाथों में सौंप देगा और इसी तरह आगे भी। और यह सब घटित होता है। तो, हम इस सबका क्या मतलब निकालते हैं? खैर, हम इस विशेष बात का क्या मतलब निकालते हैं? क्योंकि वाद्य यंत्र और जो बज रहा है, वे हिब्रू में वही शब्द हैं जो आपको तब मिलते हैं जब दाऊद शाऊल के सामने बजा रहा होता है।

और इस मामले में, स्पष्ट रूप से बजाना, एलीशा ऐसा क्यों पूछता है? मुझे लगता है कि एक बात के लिए, अगर बजाना है, फिर से, यह सिर्फ संगीत नहीं है। यह आराधना होने जा रही है। और प्रभु इसका जवाब देते हैं और उसके पास आते हैं और उसे एक भविष्यवाणी देते हैं।

अब, प्रभु को भविष्यवाणी करने के लिए ऐसा होने की ज़रूरत नहीं है, है न? प्रभु बिना संगीत बजाए भविष्यवाणी कर सकते हैं, लेकिन इस मामले में उन्होंने ऐसा करना चुना। लेकिन यहाँ हमारे पास बजाने, आराधना करने, और पवित्र आत्मा के आने का एक संबंध है। मुझे लगता है कि शायद यही हो रहा था जब दाऊद ने शाऊल को छुड़ाया था।

तो, हम यहाँ क्या निष्कर्ष या अनुमान लगा सकते हैं? संगीत भविष्यवाणी और पूजा का एक साथी हो सकता है। और ऐसा लगता है कि पूजा कभी-कभी भविष्यवाणी के काम के लिए आत्मा को आमंत्रित कर सकती है। हमने इस बारे में थोड़ी बात की है, लेकिन हम इसे यहाँ भाषाओं में थोड़ा देख सकते हैं।

भजन 22, आप, एक पवित्र व्यक्ति निवास करते हैं या सिंहासन पर विराजमान हैं, उस क्रिया का अर्थ सिंहासन पर विराजमान होना या निवास करना हो सकता है, इस्राएल की प्रशंसा। सेप्टुआजेंट इसे इस प्रकार लेता है कि आप पवित्र लोगों के बीच निवास करते हैं, इस्राएल की

प्रशंसा। और वल्गेट, इसी प्रकार, आप, हालांकि, पवित्र स्थान में, आप निवास करते हैं, इस्राएल की प्रशंसा।

संभवतः सबसे अच्छा अनुवाद यह है कि आप पवित्र हैं, और आप इस्राएल की स्तुति के बीच रहते हैं। आप अपने लोगों की स्तुति में रहते हैं। इसलिए, यहाँ अस्थायी निष्कर्ष यह है कि सभी भविष्यवाणियाँ आराधना के संदर्भ में नहीं होती हैं, लेकिन एक आराधना संदर्भ भविष्यवाणी की भावना को जगा सकता है।

यह आज के चर्च के लिए उतना ही प्रासंगिक हो सकता है जितना कि यह दाऊद के लिए था जब उसने शाऊल को बचाया था। इसलिए, जैसा कि हमने कहा है, दाऊद की वाचा नए की आशा करती है, और यही वाचा है, अंतिम, और एक बची हुई कार्यशील, विशेष अनुग्रह वाचा जिस पर हम आगे अपना ध्यान केंद्रित करेंगे।

यह डॉ. जेफरी नीहौस द्वारा बाइबिल धर्मशास्त्र पर उनके शिक्षण में दिया गया है। यह सत्र 8 है, दाऊद की वाचा।